Session 2020-21

आदर्श प्रश्न पत्र

विषय - हिन्दी

कक्षा - दसवीं (SOS)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

विशेष निर्देश :

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
2. उत्तर पुस्तिका में निर्धारित गोले में सीरीज़ अवश्य लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़िए।
4. प्रश्नों पत्र पर दी प्रश्न-संख्या क्रमांक को ही उत्तर पुस्तिका पर उत्तर देते समय लिखें।
5. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड-क (साहित्यिक गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर दें : 15×1=15

आधुनिक युग में नारी को जहां अधिक स्वतन्त्रता प्राप्त हुई है वहीं वह अनेक समस्याओं से घिर भी गई है। आज की नारी की जिम्मेदारियां बहुत हद तक बढ़ गई हैं। समाज में महत्वपूर्ण स्थान पा लेने के पश्चात् उसके उत्तरदायित्वों में वृद्धि हो गई है। वह आर्थिक समस्याओं को सुलझाने के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है।

नौकरी जीविका का साधन है। नौकरी आर्थिक समस्याओं का एक समाधान है। नौकरी स्वावलंबन के प्रश्न का उत्तर है। नारी सौन्दर्य-बोध का मूर्त रूप है। वह मातृत्व और करूणा की सजीव मूर्ति है। उसके नयन-कोर उज्जवल चांदनी की बौछार हैं। इन सबके बावजूद वह नौकरी करने के

Downloaded from cclchapter.com

लिए विवश हुई। वह पुरुष के समान दफ्तर जाती है या कोई व्यवसाय चलाती है। क्योंकि इसका एक मात्र उत्तर आर्थिक दबाव और विषमता तो है ही, पर इसके साथ युगों के बंधनों से मुक्ति की चिर कामना भी है। नारी को नौकरी क्यों करनी पड़ती है? इस प्रश्न के कई उत्तर हैं। एक तो यह है कि इस प्रकार वह घर परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में सहायक होती है। दूसरे, अनेक प्रकार के विषम आर्थिक स्थिति में उसे नौकरी करने को विवश होना पड़ता है। तीसरे, स्वतन्त्र आर्थिक स्थिति का प्रलोभन उसे नौकरी की ओर आकर्षित करता है। चौथे, पुरूष पर उसकी आर्थिक निर्भरता मिटती है। इस निर्भरता के कारण उसे अनेक बार शारीरिक और मानसिक यंत्रणा झेलनी पड़ती है। आर्थिक आश्रय देकर पुरूष ने अपनी नारी को गुड़िया या मन बहलाव का खिलौना समझ लिया है। अत: नारी उसके चंगुल से मुक्ति कामनावश नौकरी की राह पर चल रही है। नारी के नौकरी की ओर आकर्षित होने में अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। परिवार की सुख-सुविधा का मुख्य दायित्व नारी पर ही है, पर नौकरी के चक्कर में घर की स्थिति होटल सी हो गई है। कार्य की अधिकता ने नारी सुलभ कोमलता को छीन लिया है और वह नीरस होती जा रही है। नौकरी करने वाली स्त्री मातृत्व का दायित्व भी कुशलता पूर्वक नहीं निभा पाती है। ममता और वात्सल्य के अभाव में बच्चों का जीवन पूर्णत: विकसित नहीं हो पाता। परिणामत: नई पौध बौनी होती जा रही है। नारी के नौकरी करने से पुरूषों के लिए नौकरी के अवसर कम रह गए हैं। इन सब समस्याओं को दृष्टि गत रखते हुए भी नारी का नौकरी करना इस दृष्टि से उचित कहा जाएगा कि नौकरी की बदौलत ही उसे समाज में उचित सम्मान मिल रहा है। दहेज जैसी विकराल समस्या का एक मात्र समाधान नारी की नौकरी ही है। आर्थिक दृष्टि से परतन्त्र नारी आत्म हत्या की ओर दौड़ती है, क्योंकि उसे अपना जीवन भार स्वरूप प्रतीत होने लगता है।

(1) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(2) आधुनिक युग में नारी की दशा क्या हो गई है?

Downloaded from cclchapter.com

(3) जीविका का साधन क्या है?

(4) नारी को नौकरी क्यों करनी पड़ती है?

(5) नौकरी से नारी को क्या-क्या लाभ मिलते हैं?

(6) नारी की नौकरी ने उसके लिए किन-किन समस्याओं को उत्पन्न कर दिया है?

(7) कार्य की अधिकता ने नारी पर क्या प्रभाव डाला है?

(8) दहेज की समस्या का क्या समाधान है?

(9) परतन्त्र नारी किस ओर दौड़ती है और क्यों?

(10) परिवार की सुख-सुविधा का दायित्व किस पर है?

(11) किसके अभाव में बच्चों का जीवन पूर्णत: विकसित नहीं हो पाता?

(12) 'घर-परिवार' में कौन सा समास है?

(13) प्रत्यय छांटिए : मानसिक, कोमलता

(14) उपसर्ग छांटिए : स्वतन्त्र, विवश

(15) विलोम शब्द लिखें : स्वतन्त्रता, आधुनिक

(16) आर्थिक आश्रय देकर पुरूष ने नारी को क्या समझ लिया है?

(17) नई-पौध बौनी क्यों होती जा रही है?

(18) प्रलोभन, वात्सल्य शब्दों के अर्थ लिखें।

खण्ड-ख (रचनात्मक)

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत - बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए। (शब्द सीमा 200-250 शब्द)

(क) विद्यार्थी जीवन : (भूमिका, गुण, कर्त्तव्य, उपसंहार)

(ख) समाचार पत्रों का महत्व : (भूमिका, समाचार पत्रों का आरम्भ, प्रकार, सामग्री, उपयोगिता, उपसंहार)

(ग) मेरा भारत महान : (भूमिका, भौगोलिक स्थिति, औद्योगिक विकास, विभिन्न परियोजनाएं, दर्शनीय- स्थल, महापुरुषों की धरती, उपसंहार)

Downloaded from cclchapter.com

(घ) दशहरा / विजय दशमी : (भूमिका, मनाने का कारण, शस्त्र-पूजन, झांकियाँ, रामलीलाएं, बुराई पर अच्छाई की विजय, उपसंहार)।

(ङ) कम्प्यूटर : आज की आवश्यकता : (भूमिका, कम्प्यूटर का आविष्कार, कम्प्यूटर का प्रयोग, उपसंहार) 12

3. विद्यालय-त्याग प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखें।

अथवा

कक्षा में प्रथम आने पर मित्र/सहेली को बधाई पत्र लिखें।

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को स्कूल में स्वच्छ जल उपलब्ध करवाने हेतु-प्रार्थना पत्र लिखें। 8

4. बस कण्डक्टर और यात्री के बीच किराये के संदर्भ में हुई बात-चीत को संवाद शैली में लिखें। 6

अथवा

बिना बुलाए मेहमान की तरह एक पड़ोसी जो रोज सुबह अख़बार पढ़ने आ जाते हैं, उनके संबध में गृह स्वामी व गृह स्वामिनी के मध्य संवाद को अपने शब्दों में लिखें।

5. आपके विद्यालय में बालदिवस मनाया गया। विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताएं हुई। नाच-गाना हुआ। विद्यालय के मुख्याध्यापक ने बच्चों को संबोधित किया तथा पुरस्कार वितरण किया। इस संदर्भ पर 50 शब्दों में प्रतिवेदन तैयार करें। अथवा

आपके विद्यालय में हिन्दी दिवस मनाया गया। इसे किस प्रकार मनाया गया इस पर 50 शब्दों में प्रतिवेदन लिखें। 6

खण्ड-ग (व्याकरण)

6. रचना के अनुसार वाक्य भेद लिखिए : (कोई चार) 4×1=4

(क) मीरा नाच रही है।

Downloaded from cclchapter.com

(ख) बिल्ली आई और दौड़ गई

(ग) जो डींगे हाँकते हैं, वे कुछ नहीं करते।

(घ) रेल में बैठकर जल्दी घर चलो।

(ङ) यदि वर्षा न हुई तो फसल अच्छी नहीं होगी।

7. किन्हीं चार का वाच्य परिवर्तन करें। 4×1=4

(क) कौआ आकाश में उड़ता है। (भाववाच्य में)

(ख) सूरदास ने सूर सागर की रचना की। (कर्म वाच्य में)

(ग) मजदूर वृक्ष काटेंगे। (कर्म वाच्य में)

(घ) अनुष्का से भोजन नहीं बनाया जाता। (कर्तृ वाच्य में)

(ङ) बूढ़ों से खेला नहीं जाता। (कर्तृ वाच्य में)

8. किन्हीं तीन समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखें।

अन्न-जल, त्रिदेव, आमरण, पुस्तकालय, चौराहा 3×1=3

खण्ड-घ (पाठ्यपुस्तकें)

9. निम्न गद्यांश को पढ़ कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें:

नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों को देखा। खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ विश्वास लिया। खीरे की एक फाँक को उठा कर होंठों तक ले गए। फाँक को सूँघा। स्वाद के आनंद में पलकें मुँद गई। मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया तब नवाब साहब ने फांक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की झाँकों को नाक के पास ले जाकर, वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) नवाब साहब ने खीरे की फाँक का क्या किया?

(ग) नवाब साहब ने खीरे के स्वाद का आनंद कैसे लिया?

(घ) नवाब साहब ने खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ निश्वास क्यों लिया?

Downloaded from cclchapter.com

(ङ) 'मुँह में पानी भर आने' से क्या तात्पर्य है?

(च) नवाब साहब खीरे की फांकों को बाहर क्यों फेंकते गए?

अथवा

हालदार साहब को पान वाले द्वारा एक देश भक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत से चश्में लिए अभी-अभी एक गली से निकला था। और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं। फेरी लगाता है।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखें।

(ख) कैप्टन क्या कार्य करता है?

(ग) हालदार साहब को कैप्टन देश भक्त क्यों लगा?

(घ) हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा था?

(ङ) कैप्टन के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(च) कैप्टन ने अपनी संदूकची में क्या रखा होगा? 2+2+2+2=8

10. खेती-बारी से जुड़े गृहस्थ बाल-गोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे? 6×1=6

अथवा

तब की शिक्षा प्रणाली और आज की शिक्षा प्रणाली में क्या अन्तर है? स्पष्ट करें।

अथवा

बिस्मिल्ला खाँ के जीवन से जुड़ी उन घटनाओं और व्यक्तियों का उल्लेख करें जिन्होंने उनकी संगीत साधना को समृद्ध किया?

11. निम्नलिखित काव्याँश को पढ़ कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें:

माँ ने कहा पानी में झाँककर

Downloaded from cclchapter.com

अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बन्धन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।
(क) कवि व कविता का नाम लिखें।
(ख) वस्त्र और आभूषण नारी जीवन में क्या हैं?
(ग) माँ ने बेटी को क्या समझाया?
(घ) आग का क्या महत्व है?
(ङ) पानी में झाँक कर चेहरे पर रीझने का क्या आशय है?
(च) 'आग' अथवा 'पानी' के दो पर्यायवाची लिखें।

अथवा

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत स्नेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यों जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति नदी में पाऊँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी।।
(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।
(ख) गोपियों ने स्वयं को भोरी क्यों कहा है?
(ग) पुरइनि पात के माध्यम से क्या व्यंग्य किया गया है?
(घ) गोपियाँ उद्धव को बड़भागी क्यों कहती हैं?
(ङ) गोपियाँ स्वयं को कैसी बताती हैं?

Downloaded from cclchapter.com

(च) गोपियों ने किस के प्रति अपनी अनन्यता प्रकट की है?

2+2+2+2=8

12. निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

(क) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने पर कौन कौन से तर्क दिए?

(ख) बच्चे की मुस्कान और एक बड़े व्यक्ति की मुस्कान में क्या अन्तर है?

(ग) संगतकार किन-किन रूपों में गायक गायिकाओं की मदद करते हैं?

(घ) कविता में फसल को उपजाने के लिए आवश्यक तत्वों की बात की गई है वे आवश्यक तत्व कौन-कौन से हैं?

(ङ) गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए?

2×3=6

13. निम्न में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

(क) आपके विचार से भोला नाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है?

(ख) 'और देखते ही देखते नयी-दिल्ली का काया पलट होने लगा'- नयी दिल्ली के काया पलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे?

(ग) लाँग स्टाक में घूमते चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक सी क्यों दिखाई दी?

(घ) बच्चे माता-पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं?

(ङ) प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है?

(च) 'नयी दिल्ली में सब था सिर्फ नाक नहीं थी' इस कथन के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? 2+2+2+2=8

14. देश की सीमाओं पर बैठे फौजी किस तरह की कठिनाइयों से जूझते हैं? उनके प्रति हमारा क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए?

Downloaded from cclchapter.com

अथवा

'माता का आँचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

अथवा

नाक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा का द्योतक है। यह बात पूरी व्यंग्य रचना में किस तरह उभर कर आई है? लिखिए। 6×1=6

Downloaded from cclchapter.com

आदर्श प्रश्न पत्र

विषय - हिन्दी

कक्षा - दसवीं (SOS)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

अंक विभाजन

खण्ड - क (साहित्यिक गद्यांश) 15 अंक

1. साहित्यिक गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें : 15 प्रश्न 1-1 अंक के पूछे जाएंगे। 15

खण्ड-ख (रचनात्मक) 32 अंक

2. दिए गए निबन्धों के विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200-250 शब्दों में निबन्ध लेखन 12
3. औपचारिक अथवा अनौपचारिक पत्रों में से कोई एक पत्र लिखना। 8
4. संवाद लेखन (दिए गए दो विषयों में से एक करना) लगभग 50 शब्दों में 6
5. प्रतिवेदन लेखन (दिए गए दो विषयों में से एक करना) 6

खण्ड-ग (व्याकरण) 11 अंक

6. रचना व अर्थ के आधार पर कोई चार वाक्य 4
7. वाच्य परिवर्तन में पांच में से चार कोई चार वाक्य 4
8. समास विग्रह कर समास का नाम लिखें - पाँच में से तीन 3

खण्ड-घ (पाठ्यपुस्तकें) 42 अंक

9. गद्य खण्ड में से गद्यांश पर आधारित अर्थ ग्रहण संबंधी किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें-प्रत्येक प्रश्न 2-2 अंक का होगा। 2+2+2+2=8
10. गद्य पाठों पर आधारित विषय-वस्तु संबंधी तीन में से एक प्रश्न का उत्तर दें: 6
11. काव्य खण्ड में से काव्यांश पर आधारित अर्थ ग्रहण संबंधी किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें-प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। 2+2+2+2=8

Downloaded from cclchapter.com

12. कविताओं पर आधारित विषय वस्तु संबंधी पांच में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें: 2+2+2=6

13. पाठ्य पुस्तक 'कृतिका भाग-2' के पाठों पर आधारित छः प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें-
प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का रहेगा। 2+2+2+2=8

14. पाठों पर आधारित तीन प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करें। 6

विशेष : खण्ड क - कुल अंक = 15 अंक
खण्ड ख - कुल अंक = 32 अंक
खण्ड ग - कुल अंक = 11 अंक
खण्ड घ - कुल अंक = 42 अंक
100 अंक

Downloaded from cclchapter.com